सत्यमेव जयते

www.aerb.gov.in

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद पऊनिप AERB ATOMIC ENERGY REGULATORY BOARD

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-न्यूजलेटर

जुलाई-सितंबर 2021 खंड 32, नं. 3

विषय-वस्तु

	अध्यक्ष की कलम से	2
1.0	संरक्षा की समीक्षा और नियमन	3
2.0	नियामक निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाईयां	4
3.0	नाभिकीय परमाणु बिजलीघरों में ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास	5
4.0	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	5
5.0	संरक्षा प्रचार और सार्वजनिक गतिविधियाँ	6
6.0	मानव संसाधन विकास	8
7.0	राजभाषा का कार्यान्वयन	9
8.0	'आजादी का अमृत महोत्सव' का उत्सव	9
9.0	नियुक्तियां/सेवानिवृत्तियां	10
	प्रतिपुष्टि (फीडबैक)	11

" एईआरबी का मिशन यह सुनिश्चित करना है कि भारत में आयनकारी विकिरण और परमाणु ऊर्जा के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए अनुचित जोखिम न हो। "

अध्यक्ष की कलम से

"मुझे यह बताते हुए भी बहुत खुशी हो रही है कि हमारे कर्मचारियों की योग्यता बढ़ाने की दिशा में हमारे निरंतर प्रयास के भाग के रूप में, एईआरबी के निरीक्षकों और प्रशिक्षुओं का आकलन करने के लिए एक वेब-आधारित कार्यक्रम विकसित किया गया है।"

प्रिय पाठकगण,

स्वतंत्र भारत के पचहत्तर वर्ष के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उत्सव में हम सब देशवासियों के साथ शामिल होते हैं। नाभिकीय ऊर्जा से जुड़ी संपूर्ण बिरादरी के लिए यह बहुत खुशी का क्षण है कि विभिन्न चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, भारत आज परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने वाले वैश्विक अग्रणियों में से एक के रूप में उभरा है। हम वास्तव में बहुत भाग्यशाली थे कि हमारे पास डॉ. होमी भाभा, डॉ. विक्रम साराभाई, श्री मेघनाद साहा, डॉ. स्वरूप भटनागर जैसे महान दूरदर्शी और वैज्ञानिक थे, जिन्होंने अपनी बुद्धिमता और दूरदर्शिता के माध्यम से परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शानदार यात्रा को आकार दिया और भारत को सही मायने में 'आत्मनिर्भर' बनाया।

कार्यक्रम के संस्थापक प्रमुखों का जोर था कि स्थिरता के लिए संरक्षा आवश्यक आधार है जो सफलता के प्रमुख कारकों में से एक है। दशकों के समर्पण, दृढता के माध्यम से प्राप्त की गई आत्मनिर्भरता के 75 वर्षों को मनाने के लिए एईआरबी ने वर्ष भर विभिन्न जागरूकता और वैज्ञानिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की योजना बनाई है।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के मोर्चे पर, पिछली तिमाही काफी घटनापूर्ण रही है। आईएईए के सार्वजनिक सम्मेलन का 65वां नियमित सत्र दिनांक 20-24 सितंबर 2021 के दौरान वियाना, ऑस्ट्रिया में आयोजित किया गया। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) और फ्रांस के परमाणु संरक्षा प्राधिकरण (एएसएन) के बीच तकनीकी सूचनाओं के आदान-प्रदान और परमाणु संरक्षा और विकिरण संरक्षण के नियमन में सहयोग के लिए द्विपक्षीय व्यवस्था का नवीनीकरण किया गया । इस यात्रा के दौरान, वरिष्ठ संरक्षा और सुरक्षा नियामकों की बैठक और कनाडाई परमाणु संरक्षा आयोग (सीएनएससी) और संयुक्त राज्य परमाणु नियामक आयोग (यूएसएनआरसी) के साथ द्विपक्षीय बैठकों में भाग लेने के अवसर का भी उपयोग किया गया।

कोविड-19 के प्रतिबंधों में ढिलाई के साथ, एईआरबी ने अगस्त 2021 से कार्यालय से 100% मानवशक्ति के साथ काम करना शुरू कर दिया। एईआरबी ने परमाणु और विकिरण सुविधाओं की संरक्षा समीक्षा, लाइसेंसिंग और नियामक निरीक्षण सहित वास्तविक भागीदारी और वेब-आधारित प्लेटफार्मों के विवेकपूर्ण मिश्रण के माध्यम से अधिकांश नियामक गतिविधियों को हाइब्रिड मोड में आयोजित करना शुरू कर दिया है। वर्चुअल भागीदारी के माध्यम से हमारे हितधारकों की संरक्षा को बढ़ावा देने, नियामक इंटरफेस को मजबूत करने के लिए अंतर-मंत्रालयी समन्वय के लिए विभिन्न थीम बैठकें जारी रही।

एईआरबी की निरंतर सार्वजनिक पहुंच गतिविधियों के भाग के रूप में, गुवाहाटी में उच्च शिक्षा संस्थानों और असम में आयनकारी विकिरण स्रोतों वाले विकिरण सुविधाओं के हितधारतकों के लिए "विकिरण प्रौद्योगिकी और संरक्षा पहलुओं के सामाजिक लाभ" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार 07 जुलाई 2021 को आयोजित किया गया था। वेबिनार में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कई संकाय सदस्यों और छात्रों और विकिरण सुविधाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मुझे यह बताते हुए भी बहुत खुशी हो रही है कि हमारे कर्मचारियों की योग्यता बढ़ाने की दिशा में हमारे निरंतर प्रयास के भाग के रूप में, एईआरबी के निरीक्षकों और प्रशिक्षुओं का आकलन करने के लिए एक वेब-आधारित कार्यक्रम विकसित किया गया है।

देश में राष्ट्रीय नियामक के रूप में एईआरबी, समाज की बेहतरी के लिए परमाणु ऊर्जा और विकिरण अनुप्रयोगों के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने में अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

महोस्तव की शुभकामनाओं के साथ।

सुरक्षित रहें

जी. नागेश्वरराव

(जी. नागेश्वर राव)

1.0 संरक्षा की समीक्षा और नियमन

जुलाई 2021 के दौरान कोविड-19 निवारक उपायों का पालन करते हुए एईआरबी मुख्यालय 50% कर्मचारियों की संख्या के साथ कार्यालय से काम कर रहा था। शेष 50% कर्मचारी घर से काम कर रहे थे। अगस्त के बाद से एईआरबी ने कार्यालय में 100% शक्ति के साथ कार्य करना शुरू कर दिया। परमाणु और विकिरण सुविधाओं की सुरक्षा समीक्षा, ऑन-लाइन सुरक्षा समीक्षा बैठकें आयोजित करने और परमाणु और विकिरण सुविधाओं के निरंतर नियामक निरीक्षण करने के लिए दूरस्थ नियामक निरीक्षण करने सहित, एईआरबी ने अपनी अधिकांश नियामक गतिविधियों के लिए वेब-आधारित प्लेटफार्मों का उपयोग करना जारी रखा।

सभी परमाणु और विकिरण सुविधाओं की संरक्षा स्थिति संतोषजनक रही और किसी भी सुविधा में कोई बड़ी घटना/चिंता का नया सुरक्षा मुद्दा नहीं देखा गया। व्यावसायिक श्रमिकों के लिए विकिरण खुराक और परमाणु सुविधाओं में रेडियोधर्मिता रिलीज निर्दिष्ट सीमा के भीतर थी।

एईआरबी बोर्ड की बैठक का एक दृश्य

एईआरबी का बोर्ड परमाणु और विकिरण सुविधाओं और संबंधित गतिविधियों के नियमन के लिए नीतिगत मामलों पर निर्णय लेने वाला निकाय है। बोर्ड की 134वीं बैठक दिनांक 28 जुलाई, 2021 को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई। महत्वपूर्ण नियामक गतिविधियों और विनियमित प्रतिष्ठानों की सुरक्षा स्थिति के अलावा बोर्ड को संशोधित ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास ढांचे, नए विकसित संकेतकों का उपयोग करते हुए प्रचालनरत नाभिकीय बिजलीघरों के सुरक्षा प्रदर्शन मूल्यांकन और एईआरबी कर्मचारियों के सुरक्षा संस्कृति मूल्यांकन से अवगत कराया गया। इस बैठक में बोर्ड ने व्यय किए गए ईंधन के अंतरिम भंडारण के लिए केकेएनपीपी-3 और 4 में अवे फ्रॉम रिएक्टर (एएफआर) सुविधा स्थापित करने के लिए साइटिंग सहमति देने की सिफारिश की।

(i) परमाणु और विकिरण सुविधाओं की सहमति

इस अवधि के दौरान निम्नलिखित लाइसेंस/अनुमोदन/मंजूरी जारी/नवीनीकृत किए गए :

1. कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (केकेएनपीपी)-1 और 2 के संचालन के लिए लाइसेंस 31 जुलाई 2021 तक बढ़ा दिया गया है।
2. तारापुर परमाणु बिजली संयंत्रों (टीएपीएस)-3 और 4 के संचालन के लिए लाइसेंस 31 अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है।
3. 23 अगस्त 2021 को कुडनकुलम परमाणु बिजली संयंत्र (केकेएनपीपी)-3 और 4 में अवे फ्रॉम रिएक्टर (एएफआर) भुक्तशेष ईंधन भंडारण सुविधा के लिए साइटिंग सहमति।
4. निदर्शन ईंधन पुनर्संसाधन संयंत्र (डीएफआरपी) में कतिपय कमीशनिंग गतिविधियों को दिनांक 31 दिसंबर 2021 तक जारी रखने की अनुमति।
5. चिकित्सा, औद्योगिक और अनुसंधान गतिविधियों में शामिल विकिरण सुविधाओं के लिए कुल 5,815 लाइसेंस जारी किए गए थे।

2.0 नियामक निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाइयां

(i) नियामक निरीक्षण

मौजूदा महामारी की स्थिति के कारण, परमाणु और विकिरण सुविधाओं के नियामक निरीक्षण में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एईआरबी ने दूरस्थ नियामक निरीक्षण (आरआई) के लिए वर्चुअल प्लेटफार्म का व्यापक रूप से उपयोग करना जारी रखा। वर्चुअल दूरस्थ निरीक्षण को स्व-मूल्यांकन चेकलिस्ट का उपयोग करके संचालित किया जाता है। एईआरबी में निरीक्षकों की एक टीम द्वारा मूल्यांकन रिपोर्ट की समीक्षा की जाती है और आवश्यक होने पर कुछ अनुपालनों को सत्यापित करने के लिए लाइसेंसधारकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठकें आयोजित की जाती हैं। इस तिमाही के दौरान वर्चुअल मोड में पांच परमाणु और दो औद्योगिक सुविधाओं का दूरस्थ नियामक निरीक्षण किया गया। इनके अलावा, केकेएनपीपी-2, केएपीएस-2 और एमएपीएस-2 के ईंधन भरने के शटडाउन/द्विवार्षिक शटडाउन गतिविधियों की निगरानी के लिए तीन दूरस्थ नियामक निरीक्षण हाइब्रिड मोड (आंशिक रूप से दूरस्थ और वास्तविक निरीक्षण) में किए गए थे।

इस अवधि के दौरान विकिरण सुविधाओं के कुल 168 नियमित और 15 विशेष दूरस्थ नियामक निरीक्षण किए गए।

(ii) प्रवर्तन कार्रवाई

(क) नियामक आवश्यकताओं का अनुपालन न करने के कारण, 3 महीने की अवधि के लिए संचालन के लिए लाइसेंस निलंबित करके मुंबई में औद्योगिक रेडियोग्राफी संस्थानों में से एक के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की गई थी।

(ख) फरीदाबाद में औद्योगिक रेडियोग्राफी संस्थानों में से एक के संचालन के लिए लाइसेंस और आरएसओ और रेडियोग्राफर के प्रमाणपत्र को एक वर्ष के लिए निलंबित कर, विकिरण सुरक्षा में घोर उल्लंघन, अपर्याप्त सुरक्षा प्रावधानों और अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा किए गए रेडियोग्राफी कार्य के कारण प्रवर्तन कार्रवाई की गई थी।

वैब आधारित निरीक्षण मूल्यांकन मॉड्यूल का उद्घाटन

कार्यकारी निदेशक, एईआरबी और एईआरबी के सभी तकनीकी प्रभागों की उपस्थिति में निरीक्षकों और प्रशिक्षुओं के आकलन के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल का उद्घाटन करते हुए अध्यक्ष, एईआरबी

परमाणु और विकिरण सुविधाओं (एनएफआर) में नियामक निरीक्षण (आरआई) कार्यक्रम के प्रभावी निष्पादन के लिए भवन निरीक्षक दक्षताओं और उनका प्रबंधन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एईआरबी के निरीक्षकों और प्रशिक्षुओं का आकलन करने के लिए एक वेब-आधारित प्रक्रिया को आंतरिक रूप से विकसित किया गया है। अध्यक्ष, एईआरबी ने दिनांक 15 अगस्त, 2021 को निरीक्षकों और प्रशिक्षुओं के आकलन के लिए ऑनलाइन मॉड्यूल का उद्घाटन किया। मूल्यांकन मॉड्यूल अब एईआरबी इंट्रानेट के माध्यम से अधिकारियों के लिए उपलब्ध है।

3.0 एनपीपी में ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास

नाभिकीय बिजली संयंत्र (एनपीपी) में एक काल्पनिक आकस्मिक स्थिति के कारण एक ऑफ-साइट आपातकालीन स्थिति के मामले में आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया का आकलन करने के लिए, दो एनपीपी साइटों पर अर्थात महाराष्ट्र में तारापुर और उत्तर प्रदेश में नरौरा में क्रमशः दिनांक 03 और 08 सितंबर 2021 को ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास आयोजित किए गए थे। यह अभ्यास एकीकृत कमांड नियंत्रण और प्रतिक्रिया (आईसीसीआर) मोड में आयोजित किए गए थे जिसमें विभिन्न एजेंसियां अर्थात राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), एनपीसीआईएल, पऊवि, बीएआरसी और एईआरबी के संकट प्रबंधन समूह (सीएमजी) के प्रतिनिधि शामिल थे। एनडीएमए और एईआरबी पर्यवेक्षकों ने संयंत्र और जिला अधिकारियों द्वारा निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिक्रिया कार्यों का आकलन किया। अभ्यासों से प्राप्त अंतर्दृष्टि को संबंधित योजनाओं, प्रक्रियाओं और एनपीपी साइटों पर भविष्य के आपातकालीन अभ्यासों के संचालन में उचित रूप से शामिल किया जाएगा।

एईआरबी में परमाणु और रेडियोलॉजिकल आपातकालीन निगरानी केंद्र (एनआरईएमसी) को स्वतंत्र निगरानी और एईआरबी द्वारा आपातकालीन स्थितियों के आकलन के लिए स्थापित क्षमता को सत्यापित करने के लिए अभ्यास के दौरान सक्रिय किया गया था, यदि उत्पन्न होती है तो। महत्वपूर्ण रेडियोन्यूक्लाइड का विस्तृत वायुमंडलीय फैलाव मॉडलिंग भी किया गया।

4.0 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

क. राष्ट्रीय सहयोग

(i) संयुक्त परामर्श बैठक

एईआरबी ने दिनांक 22 जुलाई, 2021 को एक वर्चुअल संयुक्त परामर्श बैठक (जेसीएम) आयोजित की, जिसका उद्देश्य संशोधित ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास (ओएसईई) ढांचे को अंतिम रूप देना है, जिसे पिछले कुछ वर्षों में व्यवस्थित रूप से विकसित किया गया है। जेसीएम में एईआरबी, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (एनडीएमए), संकट प्रबंधन समूह, पऊवि, बीएआरसी और एनपीसीआईएल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हितधारकों ने संशोधित ओएसईई ढांचे के लिए सहमति व्यक्त की।

(ii) विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के साथ अंतर-मंत्रालयी वर्चुअल बैठक

एईआरबी ने विकिरण सर्वेक्षण मीटर और परमाणु पहचानकर्ता के तकनीकी विवरण की पुष्टि करके पूर्व-शिपमेंट निरीक्षण एजेंसियों (पीएसआईए) के संबंध में "मान्यता" के अनुमोदन/ नवीनीकरण के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी), वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय (एमओसीआई) द्वारा संदर्भित आवेदनों की समीक्षा करके अंतर-मंत्रालयी समन्वय गतिविधियों को जारी रखा। डीजीएफटी से यह "मान्यता" पूर्व-शिपमेंट निरीक्षण एजेंसियां धातु स्क्रैप युक्त माल के विकिरण सर्वेक्षण के संचालन के लिए जिम्मेदार हैं और प्रमाणपत्र प्रदान करते हैं कि माल रेडियोधर्मिता की उपस्थिति से मुक्त है।

इस अवधि के दौरान, भारत में आयातित धातु स्क्रैप को पूर्व-शिपमेंट निरीक्षण प्रमाणपत्र (पीएसआईसी) जारी करने के लिए पूर्व-शिपमेंट निरीक्षण एजेंसियां को मान्यता देने के लिए दिनांक 27 अगस्त, 2021 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी।

(iii) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ समन्वय

एईआरबी के अधिकारियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित "नैदानिक रेडियोलॉजी में नियामक आवश्यकताए और सुरक्षा" विषय पर व्याख्यान दिया। साथ ही, उन्होंने कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर की वर्चुअल समीक्षा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

ख. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

(i) श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी ने दिनांक 23 सितंबर, 2021 को डॉ. के.एन. व्यास, अध्यक्ष, पऊआ के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में विएना, ऑस्ट्रिया में आयोजित 65वीं अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी(आईएईए) के सामान्य सम्मेलन में भाग लिया। दिनांक 23 सितंबर, 2021 को अध्यक्ष, एईआरबी ने वरिष्ठ संरक्षा और सुरक्षा नियामकों की बैठक में भाग लिया।

अध्यक्ष, एईआरबी ने एएसएन (फ्रांस के नाभिकीय नियामक निकाय), यूएसएनआरसी (यूएसए के परमाणु नियामक निकाय) और सीएनएससी (कनाडा के परमाणु नियामक निकाय) के साथ

आईएईए के 65वें सामान्य सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल

द्विपक्षीय बैठकों में भी भाग लिया, जो सामान्य सम्मेलन के पूरक थे।

(ii) परमाणु संरक्षा और विकिरण सुरक्षा के नियमन में तकनीकी जानकारी और सहयोग के आदान-प्रदान के लिए परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) और फ्रांस के परमाणु संरक्षा प्राधिकरण(एएसएन) के बीच द्विपक्षीय व्यवस्था दिनांक 21 सितंबर, 2021 को वियेना में सामान्य सम्मेलन के हाशिये पर नवीनीकृत की गई थी। यह व्यवस्था पांच साल तक वैध रहेगी।

(iii) एईआरबी अधिकारियों ने वर्चुअल मोड के माध्यम से निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय बैठकों/वेबिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया :

क) जीसीएनईपी, बहादुरगढ़ द्वारा आयोजित भारत-यूएस-यूके "रेडियोधर्मी सामग्री का उपयोग करने वाले उपकरणों और सुविधाओं के लिए डिजाइन द्वारा सुरक्षा पर वर्चुअल तकनीकी विनिमय कार्यक्रम"।

ख) दिनांक 12-16 जुलाई, 2021 के दौरान नोवेल एडवांस्ड रिएक्टरों (भाग III) के लिए संरक्षा मानकों की प्रयोज्यता की समीक्षा पर आईएईए परामर्श बैठक

ग) ऑनलाइन परमाणु ऊर्जा अनुसंधान (एईआर) वर्किंग ग्रुप की बैठक 'वीवीईआर रिएक्टर प्रेशर वेसल (आरपीवी) और फ्यूअल असेंबली कूलेंट मिक्सिंग के लिए अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क अभ्यास' पर सीएफडी बेंचमार्क विश्लेषण।

घ) गंभीर दुर्घटनाओं पर एमडीईपी वीवीईआर टीईएसजी के सदस्य के रूप में, एईआरबी अधिकारियों ने नियंत्रण से दीर्घकालिक गर्मी हटाने पर तकनीकी रिपोर्ट तैयार करने के लिए बैठक में भाग लिया।

एईआरबी और एएसएन के बीच द्विपक्षीय व्यवस्था पर हस्ताक्षर, श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी और श्री बर्नार्ड डोरोस्जुक, अध्यक्ष, एएसएन

5.0 संरक्षा प्रचार और सार्वजनिक गतिविधियाँ

एईआरबी देश भर में आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करके परमाणु और विकिरण संरक्षा के लिए अपने नियामक नियंत्रण और इसके दायरे में प्रौद्योगिकियों पर हितधारकों और जनता के साथ परस्पर संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित करता है। कोविड-19 महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, संरक्षा प्रचार गतिविधियों और सार्वजनिक आउटरिच गतिविधियों को वर्चुअल मोड में जारी रखा गया।

(i) "विकिरण प्रौद्योगिकी और संरक्षा पहलुओं के सामाजिक लाभ" विषय पर वेबिनार

एईआरबी ने 07 जुलाई, 2021 को गुवाहाटी में उच्च शिक्षा के संस्थानों और असम में आयनकारी विकिरण स्रोतों वाले विकिरण सुविधाओं के हितधारकों के लिए "विकिरण प्रौद्योगिकी और संरक्षा पहलुओं के सामाजिक लाभ" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कई संकाय सदस्यों और छात्रों तथा विकिरण सुविधाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एईआरबी के अध्यक्ष श्री जी. नागेश्वर राव ने अपने संबोदन में दवा,

वेबिनार में व्याख्यान देते हुए डॉ. अविनाश यू. सोनवणे, प्रमुख, डीआरए एवं डी, एईआरबी

उद्योग, कृषि, खाद्य संरक्षण और अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में आयनकारी विकिरण के अनुप्रयोगों से प्राप्त पर्याप्त लाभों पर प्रकाश डाला। आयनकारी विकिरण प्रौद्योगिकियां सामाजिक जरूरतों और इसकी आकांक्षाओं को पूरा करने में गहराई निहित हैं। उन्होंने विषय की उचित समझ और ज्ञान की कमी के कारण प्रौद्योगिकी के

बारे में गलतफहमियां, भ्रांतियां और आशंकाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने व्यक्त किया कि वेबिनार प्रतिभागियों को यह समझने में मददगार होगा कि आयनकारी विकिरण से सामाजिक लाभ कैसे सुरक्षित रूप से प्राप्त होते हैं। डॉ. अविनाश यू. सोनवणे, प्रमुख, नियामक मामलों और संचार निदेशालय (डीआरए एवं सी), एईआरबी ने "विकिरण प्रौद्योगिकी और संरक्षा पहलुओं के सामाजिक लाभ" विषय पर व्याख्यान दिया। वेबिनार परस्पर संवादात्मक था और प्रतिभागियों ने इसकी सराहना की।

भारतीय एनपीपी में संरक्षा महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रचालन और नियामक अनुभवों पर वेबिनार

(ii) "भारतीय एनपीपी में संरक्षा महत्वपूर्ण घटनाएं" पर प्रचालन और नियामक अनुभवों पर वेबिनार

एईआरबी ने भारतीय एनपीपी में संरक्षा महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रचालन और नियामक अनुभवों को साझा करने के लिए वेबिनार की एक श्रृंखला आयोजित करने की योजना बनाई है। इन वेबिनार का उद्देश्य विभिन्न हितधारकों के बीच इन घटनाओं को संभालने में प्रचालन और नियामक अनुभवों को साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है और अगली पीढ़ी के डिजाइनरों, विश्लेषकों, ऑपरेटरों, आंतरिक समीक्षकों और नियामकों को उनके कौशल और क्षमता में सुधार करने के लिए ज्ञान के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करना है। इस श्रृंखला में पहला वेबिनार 22 जुलाई, 2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया था। वेबिनार में एनपीसीआईएल-मुख्यालय, भाविनी, एनपीपी साइटें, बीएआरसी, आईजीसीएआर और एईआरबी के अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवधि के दौरान कुल पांच वेबिनार आयोजित किए गए।

(iii) वेल्डिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (एनएसडब्ल्यूईएसटी) – वर्तमान स्थिति और भविष्य की दिशा

श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी ने सेमिनार का उद्घाटन किया। डॉ. ए.के. भादुडी, निदेशक, आईजीसीएआर ने विस्तृत वार्ता प्रस्तुत की और डॉ. बी. वेंकटरमन, निदेशक, संरक्षा, गुणवत्ता एवं संसाधन प्रबंधन और अभियांत्रिका सेवाएं ग्रुप द्वारा सेमिनार स्मारिका की ई-प्रति को जारी किया।

अध्यक्ष, एईआरबी ने अपने संबोधन में नई सामग्री की भूमिका, इलेक्ट्रॉन बीम वेल्डिंग जैसी उन्नत वेल्डिंग प्रक्रिया, वेल्डिंग ऑटोमेशन में आधुनिक तकनीकों का उपयोग, एएसएमई कोडल दिशानिर्देश और गुणवत्ता आश्वासन के लिए उन्नत गैर-विनाशकारी परीक्षा (एनडीई) तकनीकों के अनुप्रयोग आदि पर जोर दिया। उन्होंने कारखाने में एक परमाणु घटक के अधिकांश निर्माण कार्यों को पूरा करने और साइट की स्थितियों पर सीमाओं को दूर करने के लिए साइट पर काम को कम करने के लिए कार्यप्रणाली अपनाने का सुझाव दिया।

संगोष्ठी में 250 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वेल्डिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।

(iv) "पीएचडब्ल्यूआर शीतलक चैनल का जीवन चक्र" विषय पर कार्यशाला

कलपक्कम में 02-05 अगस्त, 2021 के दौरान सेफ्टी रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआरआई)- एईआरबी द्वारा 'पीएचडब्ल्यूआर कूलेंट चैनलों के जीवन चक्र' विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य सभी प्राथमिक हितधारकों के बीच

कार्यशाला की झलकियां

सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना था। कार्यशाला ने हितधारकों को शीतलक चैनल के जीवन में सुधार के लिए किए गए प्रयोगात्मक और विश्लेषणात्मक अध्ययनों के परिणामों को साझा

करने और चिह्नित अंतराल क्षेत्रों को पाटने के लिए अध्ययन की योजना बनाने की सुविधा प्रदान की। रीयल टाइम डाटा अधिग्रहण प्रणाली को ध्यान में रखते हुए कूलैंट चैनल निरीक्षण तकनीकों में और सुधार लाने के लिए कई सिफारिशें और सुझाव दिए गए थे।

विभिन्न पऊवि इकाइयों और एईआरबी के वक्ताओं द्वारा बारह आमंत्रित वार्ताएं दी गई। परमाणु ऊर्जा विभाग, न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) प्रकार के रिएक्टरों का प्रचालन करने वाले सभी संयंत्र स्थलों की विभिन्न इकाइयों के लगभग 90 इंजीनियरों/वैज्ञानिकों कार्यशाला में भाग लिया।

(v) संरक्षा समीक्षा और एनपीपी की सिविल संरचनाओं और नियंत्रणों का आकलन पर वेबिनार

एईआरबी ने एनपीपी की सिविल संरचनाओं और नियंत्रण पर अनुभवों का साझा करने के लिए "सिविल संरचनाओं और नाभिकीय बिजली संयंत्रों के नियंत्रणों का आकलन की संरक्षा समीक्षा ओर मूल्यांकन" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार 26 अगस्त, 2021 को आयोजित किया गया था और इसमें एनपीसीआईएल मुख्यालय और एईआरबी के अलावा सभी एनपीपी साइटों के विशेषज्ञों ने भाग लिया था।

(vi) नैदानिक रेडियोलॉजी में विकिरण सुरक्षा और टीएलडी बैज के उचित उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम

महाराष्ट्र राज्य से नैदानिक रेडियोलॉजी (डीआर) सुविधाओं में एक्स-रे प्रौद्योगिकीविदों और चिकित्सा व्यवसायीओं के लिए "नैदानिक रेडियोलॉजी में विकिरण संरक्षण और टीएलडी बैज के उचित उपयोग" विषय पर एक ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम 30 सितंबर, 2021 को आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में लगभग 140 लोगों ने भाग लिया। डॉ. पी.के. दास शर्मा, प्रमुख, आरएसडी, ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में नैदानिक रेडियोलॉजी में काम करते हुए सुरक्षित कार्य अभ्यास का पालन करने और एक्स-रे प्रौद्योगिकीविदों/चिकित्सा व्यवसायीओं द्वारा टीएलडी दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन पर जोर दिया। डॉ. आरती त्रिपाठी, एईआरबी द्वारा 'नैदानिक रेडियोलॉजी में विकिरण संरक्षण ओर टीएलडी बैज के उचित उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया।

6.0 मानव संसाधन विकास

एईआरबी अधिकारियों ने वर्चुअल मोड में निम्नलिखित अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लिया :

क) दिनांक 06-10 सितंबर, 2021 के दौरान आयोजित 'घटना और तस्करी डाटाबेस' के संपर्क के नए और संभावित बिंदुओं के लिए आईएईए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

ख) दिनांक 13 से 17 सितंबर, 2021 के दौरान इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल फिजिक्स (आईसीटीपी)-आईएईए द्वारा सैद्धांतिक नींव और परमाणु इंजीनियरिंग में कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स के अनुप्रयोग पर संयुक्त रूप से प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

पुरस्कार और सम्मान

श्रीमती रितु जितेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक अधिकारी/जी, एनएसएआरजी को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मुंबई द्वारा दिनांक 07 अगस्त, 2021 को आयोजित 59वें दीक्षांत समारोह में 'प्रेशर ट्यूब रोल्ड ज्वाइंट में अवशिष्ट तनाव पर रोलर पथ और संवैधानिक व्यवहार का प्रभाव' विषय के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

श्रीमती आरती कुलकर्णी त्रिपाठी, वैज्ञानिक अधिकारी/एफ, आरएससडी को होमी भाभा नेशनल इंस्टीट्यूट (एचबीएनआई), मुंबई के तहत टाटा मेमोरियल सेंटर से 'राष्ट्रीय विकिरण सुरक्षा कार्यक्रम स्थापित करने के लिए नैदानिक इमेजिंग तौर-तरीकों में उच्च खुराक का डोसिमेट्रिक एवं गुणवत्ता आश्वासन अध्ययन' विषय के लिए डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

7.0 राजभाषा कार्यान्वयन

(i) हिंदी दिवस समारोह : दिनांक 14 सितंबर, 2021को हिंदी दिवस मनाया गया। भारी पानी बोर्ड, मुंबई द्वारा एईआरबी, भारी पानी बोर्ड, निर्माण, सेवा, संपदा एवं प्रबंध निदेशालय, क्रय एवं भंडार निदेशालय और ब्रिट की बनी संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति (जेओएलसीसी) की ओर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया।

एईआरबी के अध्यक्ष श्री जी. नागेश्वर राव ने सभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की राजभाषा के रूप में हिंदी के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला।

(ii) हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं:

क) सितंबर, 2021 में एईआरबी में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ख) दिनांक 25 अगस्त, 2021 तक संयुक्त राजभाषा समन्वय समिति द्वारा संयुक्त हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें रोचक घटना लेखन प्रतियोगिता, स्व-लिखित कविता प्रतियोगिता, कहानी प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता शामिल थी, जिसमें एईआरबी के 06 प्रतिभागी विजेता रहे।

ग) दिनांक 25 और 26 अगस्त, 2021 को ब्रिट में एक संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एईआरबी के दो अधिकारी और एक कर्मचारी ने भाग लिया। इस कार्यशाला में एईआरबी के सहायक निदेशक (राजभाषा) द्वारा व्याख्यान दिया गया।

घ) एईआरबी के अधिकारी ने "औद्योगिक रेडियोग्राफी में सुरक्षित कार्य अभ्यास और आपातकालीन तैयारी" विषय पर भौतिकी संस्थान (आईओपी), भुबनेश्वर द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में हिंदी में एक व्याख्यान दिया। इस कार्यशाला में सहायक निदेशक (राजभाषा), एईआरबी ने भी भाग लिया।

8.0 एईआरबी में 'आजादी का अमृत महोत्सव'

(i) 75 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी ने दिनांक 15 अगस्त, 2021 को एईआरबी परिसर में राष्ट्रीय तिरंगा फहराया। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है।

(ii) एईआरबी में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव'

राष्ट्र निर्माण में एईआरबी के योगदान का स्मरण करने के लिए, एईआरबी ने पूरे वर्ष के लिए राष्ट्रीय समारोह 'आजादी का अमृत महोत्सव' में उचित तरीके से शामिल होने की योजना बनाई है। कई कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है जैसे सेमिनार/वेबिनार/वकतृत्व, जनता, स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ना, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, सुरक्षा प्रचार कार्यक्रम, जागरूकता कार्यक्रम, मीडिया आउटरीच आदि कार्यक्रमों का आयोजन करना।

इस अवधि के दौरान एईआरबी में निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव के समारोह के भाग रूप में दिनांक 13 अगस्त, 2021 को एईआरबी में 'स्वतंत्रता दिवस' विषय पर एक "रंगोली-सह-हिंदी कैप्शन-हिंदी भाषण" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,

जिसमें कुल 17 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिनांक 22 सितंबर 2021 को एईआरबी में हिंदी में एक जीवंत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम और भारत के संविधान से संबंधित विषयों को शामिल किया गया था। श्री वैभव घोलप, वैज्ञआनिक अधिकारी/ई, एईआरबी ने प्रश्नोत्तरी मास्टर के रूप में सेवाएं दी। कार्यक्रम का संचालन श्री धनेश परमार, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने किया।

"रंगोली-सह-हिंदी कैप्शन-हिंदी भाषण" प्रतियोगिता

9.0 नियुक्तियां / सेवानिवृत्तियां

एईआरबी में कुल स्वीकृत संख्या 459 है। 30 सितंबर 2021 को वास्तविक कर्मचारियों की संख्या 333 है, जिसमें 280 वैज्ञानिक और तकनीकी और 53 प्रशासनिक / लेखा / सहायक कर्मचारी शामिल है।

इस अवधि के दौरान कोई नया कार्मिक एईआरबी में शामिल नहीं हुआ है।

जुलाई-सितंबर, 2021 के दौरान एईआरबी से सेवानिवृत्त/स्थानांतरित/त्यागपत्र देने वाले कार्मिक :

क्रमांक	नाम	पदनाम	तिथि	अभ्युक्ति
1.	श्री एस.टी. स्वामी	वैज्ञानिक अधिकारी (एच+) एवं प्रमुख, डीआरपीएंडई	31-07-2021	अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त
2.	श्रीमती पार्वती हरिनारायणन	वरिष्ठ लिपिक	31-07-2021	अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त
3.	श्रीमती प्रसन्ना चंद्रशेखर	वरिष्ठ निजी सचिव	24-08-2021	पऊवि, मुंबई में स्थानांतरण
4.	डॉ. एल.आर. बिश्नोई	उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एनएसएआरजी	31-08-2021	अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त

विदाई

श्री एस.टी. स्वामी, प्रमुख, डीआरपीएंडई को प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष

श्री एस. थिरुमलैस्वामी, वैज्ञानिक अधिकारी (एच+) एवं प्रमुख, विकिरण संरक्षण एवं पर्यावरण निदेशालय (डीआरपीएंडई) आईआईटी, कानपुर से एम.टेक (नाभिकीय अभियांत्रिकी) पूरा करने के बाद मई, 1987 में एईआरबी में शामिल हुए। वह उस समय सीधे भर्ती होने वाले पहले कुछ वैज्ञानिक अधिकारियों में से एक हैं। एईआरबी में विभिन्न पदों पर 34 वर्षों के शानदार करियर के बाद, श्री स्वामी 31 जुलाई, 2021 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए।

श्री सी.एस. वर्गिस, कार्यकारी निदेशक, एईआरबी की उपस्थिति में श्रीमती एच. पार्वती को एईआरबी प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए श्री जी. नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी

श्रीमती पार्वती हरिनारायणन, वरिष्ठ लिपिक, एईआर बी दिनांक 31 जुलाई 2021 को अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुईं। फरवरी 1982 से जुलाई 2021 तक का उनका निपुण कैरियर था।

श्री जी नागेश्वर राव, अध्यक्ष, एईआरबी डॉ. लाला राम बिश्नोई, निदेशक, एनएसएआरजी को एईआरबी प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए

डॉ. लाला राम बिश्नोई, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, एनएसएआरजी, एईआरबी, मुंबई 18 नवंबर 1985 को बीएआरसी में शामिल हुए। वे 1990 में एईआरबी में शामिल हुए और विभाग में 36 वर्षों तक उनका लंबा कैरियर रहा। डॉ. बिश्नोई 31 अगस्त 2021 को सेवानिवृत्त हुए।

प्रतिपुष्टि

हम पाठकों / हितधारकों की प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं।
यदि आपका कोई प्रश्न या टिप्पणी हेतु कृपया हमें एईआरबी प्रतिपुष्टि (फीडबैक) पोर्टल पर भेजें।

एईआरबी न्यूजलेटर में प्रकाशित सामग्री को उचित अभिस्वीकृति सहित पुनर्मुद्रित या स्वतंत्र रूप से अनुवादित किया जा सकता है।

तैयारकर्ता

श्री प्रवीण जे. पाटिल, एईआरबी

संपादकीय समिति

श्री सत्यवान बंसल, श्रीमती उमा सरमा, श्री एच.के. कुलकर्णी, श्री वी.वी. राउत, डॉ. संतोष के. प्रधान, श्रीमती सोनल गांधी, श्री नीरज कुमार, श्री सौमेन सिन्हा, डॉ. एस.पी. लक्ष्मणन, श्रीमती एम.वी. इनामदार, श्री प्रदीप कुमार और श्री प्रवीण जे. पाटिल

प्रकाशितकर्ता

श्री अविनाश जे. गायकवाड, प्रमुख, आर एंड डीडी और प्रमुख, ईआरएसडी
(head.rdd@aerb.gov.in)

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद